

DPN 5649

Title : गुह्यकाली संक्षेप पूजा GUHYAKĀLĪ SAMKṢEPA PŪJĀ

Run. No. 6340

Cat. No.

Micro. No.

Subject

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 14 x 6.5

Folios

7

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuja. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

centimeter 5

10

15

20

5

10

5

0

centimeter 5

10

15

20



5

10

5

0

centimeter 5

10

15

20



[illegible]

श्रु काली दव नाथे २ ॥ हृदि ॥ हूं वीजाय २ ॥ ३
 श्रु ॥ श्री गं काय २ ॥ वादया ॥ डी कील काय २
 ॥ सर्वो ॥ मम मा काथे ॥ यद्विनि याग ॥
 नमस्का ॥ ॐ नमि वि क न्द न्या स ॥ ॥ मूल
 न्या स ॥ स्वा हा ऊ मा य दट ॥ उ हूं अं गु ष्ठा या
 नमः ॥ सिद्धि क मा ति न र्क मो र्था ॥ ॥ डी डी
 हूं मध्व मा र्था वो षट् ॥ श्री हूं अ न मि का र्था

ॐ ॥ नमः कनिष्ठा स्थावराय ॥ स्वाहा ज्योत्स्नाय
ट ॥ आसनं ॥ उं यं वयं ता सेना यनम ॥ ॐ
मिवा सेना यनम ॥ ॥ ध्यानं ॥ ॐ शुं नील
वपुः महाकातिः विमूखा नवलावनीः ॥ धी
रुदकिर्लवकुं मूर्धन्यावकोयमं ॥ मणु
सन्निगन्नाय ॥ अथवा दूधधूना ॥ विंग

साङ्गजरागाय चन्द्रार्ककान्तयरा ॥ गका
विंगनिमृष्टुष्टुः त्रिकविष्टुष्टुयसा ॥ अक्षि
कृष्टुल्लभराया मोक्षो कथा लमालिनिः कि
क्षिनी नृपुत्रावावः वीर्यधरा वरा नृमा ॥ नि
वायनसमावृता मुखलानिगनिर्मुखा ॥ ॐ
न्यायावक्षविष्टुष्टु नृदश्वनसदा मिवा ॥

यी नक्षत्रेषु सनक धूम्रा राश्वस कालका
 भवदुर्गुगकिचक्र मूलखट्वांगधनका
 नरुनीमुखनीक्रिया गिवाधका छिलायना
 वद्धयमासनादवी धीना ननयथाधरा
 वामहस्तकयालच नकयुष्मिनि (म) रुनी
 धारयनी छिग्लैव सगदंदक्रिणकर्षे (वज्र)

कुदक्षिणहस्त वा क्रुणीमुखवर्गथाः वामया
 गीवखट्वांग मृगवाले धारिणी चिह्नलाकर
 मधुमा जातिनूयाचकवलाः निर्वीणयदुदा
 नीना रावाणीनाम (म) वरा ॥ अस्मिन्मूकम
 हायथा नववक्रानि धारय ॥ शीतधिकाव
 रुदनयथानीम कवीरुज ॥

१५ मातृया नव व कुयकिनिगा ॥ १२ ॥
आवाहनादि ॥ या आदि ॥ चन्द्रनाद वृष्टि ॥
संयुक्त ॥ धृष्ट दीप ॥ नैव आदि ॥ अजलि ॥ न
कोक ॥ मा ॥ कोक ॥ कोक ॥ कोक ॥ ४३ सुखराय
उत्तरका ॥ १० ॥ लोचन म ॥ हाय ॥ वलि ॥ उं ॥
सिद्धि ॥ १० ॥ कला लि ॥ कोक ॥ कोक ॥ मम ॥ ४०० ॥

ॐ वल्लि २ क्र २ स्वाहा ॥ धाउम कनी ॥ मू ॥
ॐ वल्लि ॥ धा निमडा दधयि ॥ तय्य ॥ ३ ॥
वल्लि भास ॥ समय डय क्का य ॥ तय्य ॥ जा
य ॥ क्का ॥ वा य पूजा ॥ वल्लुग य ॥ वा
कन क्का य ॥ अरि क्का ॥ वन्दन सिंदुनामी
वा द ॥ समय का य तय्य ॥ न्यासा क्का व
दा क्का ग २

सि वि स क्का न ॥ सूर्य सा कि ॥ ॐ नि ३ क्का ली
सूर्य य पूजा ॥ दत्तिया स धन या य ३ ॥
ॐ नूड का क्का क्का क्का य स व द नी ॥ क्का क्का
द क्का यी ना ॥ वा भ व य न ना रा व स क न वि धृ ना
मू माला कि नवी ॥ द क्का ॥ ल व ज ॥ नि ध न
वि दि ता ॥ मू सु ख वा ग वा म ॥ वा ल य न क या ल
ॐ न नि ३ क्का क्का ॥ कालिका ना न मा मि ॥ धन ॥

विश्वेश्वरस्य कृत ॥ न नानाव्या ॥ वां द्वाद यादि
शङ्क नादि ॥ मिह स नाय ॥ ॐ नमो ह गवति
वा ॥ एतानि वा लो त्रि म रिव र म् न्य न्नि नी
नमः ॥ जं ह जं ति ती नमः ॥ मा ह मा दि ती नमः
सु सु सु ति ती नमः ॥ नमः ॥ सर्व दुष्ट यदुष्टा नां
सर्वेषां वाक विष्णु वदू ॥ १८ ॥ अथ मुख टागि शि द्वा

सुहं कुर २ नी यु व र्ण्यं कुर २ ०० ० नै की र्ण्यं
लौ किकं द्वा हा ॥ ३ ॥ वलि ॥ मृदा ॥ नै की र्ण्यं
त्रि नि र्ण्यं ॥ नै रजं ह न्यं ॥ ३ ॥ मा हि न्यं ॥ ३ ॥ शो क
ष न्यं ॥ ॥ वदन्त्यादि ॥ जयादि ॥ रुद्रयं कुदि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥